मुख्यमंत्री भजनलाल ने यमुना जल समझौता व ''रामजल सेतु लिंक'' की समीक्षा की

उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी निर्धारित अंतराल पर मौके पर पहुँचें व निरंतर कार्य प्रगति की मॉनिटरिंग करें

जयपुर, 27 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में यमुना जल समझौता एवं रामजल सेतु लिंक परियोजना को लेकर उच्चस्तरीय बैठक ली। मुख्यमंत्री ने दोनों परियोजनाओं के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करते हुए जनता को लाभान्वित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देशित करते हुए कहा कि सभी अधिकारी निर्धारित अंतराल पर मौके पर पहुंचें और धरातल पर हो रही कार्य प्रगति की निरंतर मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं से संबंधित भूमि अवाप्ति, विद्युत लाइन शिफ्टिंग सहित, सभी संबंधित कार्यों को लेकर विभाग समन्वय के साथ कार्य करें और काम में तेजी लाएं, ताकि प्रदेश जल्द से जल्द जल आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो सके।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि परियोजना से संबंधित भूमि अवाप्ति, विद्युत लाइन शिफ्टिंग आदि कार्य के लिए विभाग के साथ समन्वय बना कर काम करें।

बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया सहित, संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

डीजे बंद करवा रही पुलिस से मारपीट करने वाले गिरफ्तार

जयपुर, 27 नवम्बर। खोह नागोरियान थाना क्षेत्र में अवैध रूप से डीजे बजाने से रोकने पहुंची पुलिस टीम के साथ मारपीट, अभद्रता और राजकार्य में बाधा पहुंचाने के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की करने के साथ, सरकारी वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया था। इस घटना के बाद से सभी आरोपी फरार चल रहे थे। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों की इलाके में परेड निकाली। इस दौरान आरोपी कान पकड़कर माफी मांगते नजर आए। इस मामले में एसआई रामफूल की रिपोर्ट पर खोह नागोरियान थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए कदीर खान (44), शौकीन उर्फ मिश्रा (35), बाबू खान (45), सद्दाम खान (32) और इकराम खान (46) को खोह नागोरियान स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के फरारी के दौरान इस्तेमाल किए गए दो वाहन भी जब्त किए हैं। इसके अलावा, घटना के समय बजाए जा रहे डीजे उपकरण भी जब्त किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। उनकी संपत्तियों की जांच कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तारी के बाद आरोपियों की इलाके में परेड निकाली गई, जिसमें वे कान पकड़कर माफी मांगते दिखाई दिए।

माँ-बहन की हत्या कर युवक ने फांसी लगाई

पुलिस जाँच के अनुसार, परिवार के तीनों सदस्य ऑटिज़्म स्पैक्ट्रम डिसऑर्डर से जुड़े लक्षणों से प्रभावित थे

- पुलिस के अनुसार, गुरुवार को माँ और बहन के बीच झगड़ा हो रहा था। युवक ने बीच-बचाव का प्रयास किया, पर विवाद नहीं रुका।

जयपुर, 27 नवम्बर। राजधानी जयपुर के भट्टा बस्ती थाना क्षेत्र की रामनगर कॉलोनी में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत का मामला सामने आया है। यहां 27 वर्षीय युवक ने मां और बहन की हत्या करने के बाद, फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान सरोज तिवारी (50), उनके बेटे लकी (27) और बेटी शिवांगी (25) के रूप में हुई है। तीनों के शव शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे घर में मिले। प्रारंभिक पुलिस जांच में सामने आया है कि परिवार के तीनों सदस्य ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से जुड़े लक्षणों से प्रभावित थे। पुलिस को घटनास्थल पर मिले कागज और युवक के मोबाइल फोन में मिले नोट से घटना के कारणों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) बजरंग सिंह शेखावत के अनुसार, शुक्रवार सुबह सरोज तिवारी के पिता दीप तिवारी ने पड़ोसियों को फोन कर बताया कि परिवार के सदस्य फोन नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने पड़ोसियों से घर जाकर जानकारी लेने का आग्रह किया। इसके बाद पड़ोसी घर पहुंचे तो तीनों के शव देखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर भट्टा बस्ती थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घटना गुरुवार 26 नवंबर की बताई जा रही है।

पुलिस जांच के अनुसार, गुरुवार को मां और बहन के बीच झगड़ा हो रहा था। लकी ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया, लेकिन विवाद नहीं रुका। पुलिस को मिले युवक के नोट में उल्लेख है कि मां और बहन के बीच झगड़े और मारपीट से परेशान होकर उसने दोनों की हत्या कर दी और इसके बाद खुद आत्महत्या कर ली। घटनास्थल पर युवक के शव वाले कमरे के पास दीवार पर एक कागज चिपका मिला था। उस पर लिखा था कि उसका सुसाइड नोट मोबाइल फोन में है। कागज पर मोबाइल का पिन भी लिखा हुआ था। पुलिस ने मोबाइल की जांच की तो उसमें घटना के कारणों का उल्लेख मिला। नोट में युवक ने लिखा कि परिवार के तीनों सदस्य ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर नामक न्यूरो-विकास संबंधी स्थिति से प्रभावित थे। उसने यह भी उल्लेख किया कि कुछ साल पहले परिवार की जांच कराई गई थी, जिसमें इस तरह के लक्षण सामने आए थे।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि परिवार में पहले भी आत्महत्या की घटना हो चुकी है। युवक के पिता ने करीब 26 साल पहले आत्महत्या कर ली थी। परिवार के सदस्य ज्यादातर घर में ही रहते थे। लकी ऑनलाइन काम करता था और उसका भी घर से बाहर आना-जाना कम था। घटना के बाद कॉलोनी में सनसनी फैल गई।

पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। सरोज तिवारी के पिता दिल्ली में रहते हैं। उन्हें घटना की सूचना दे दी गई है। उनके जयपुर पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को सौंपे जाएंगे।

टाटा ग्रुप के कंट्रोल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार की बार-बार अपील के बावजूद, देश में एक मजबूत और विविधतापूर्ण मैनुफैक्चरिंग आधार बनाने की दिशा में अब तक बहुत कम प्रगति हुई है।

ऐसे हालात में टाटा समूह की मैनुफैक्चरिंग कंपनियों के समूह को होने वाला कोई भी बड़ा नुकसान, भारतीय अर्थव्यवस्था और उसके वास्तविक औद्योगिक आधार के लिए एक बड़ा झटका साबित होगा। एक तरह से देखा जाए तो समूह के प्रबंधन और नियंत्रण को लेकर इस विवाद की नींव खुद रतन टाटा ने कई साल पहले रख दी थी। रतन टाटा ने उत्तराधिकार को लेकर कई प्रयोग किए, लेकिन इनमें से कोई भी वास्तव में सफल नहीं हुआ। इनमें एक प्रयोग यह भी था कि किसी दूसरे संबंधित पारसी परिवार- शापुरजी पालोनजी मिस्त्री परिवार- के किसी युवा सदस्य को शामिल किया जाए। इस परिवार की टाटा समूह की कंपनियों में काफी बड़ी हिस्सेदारी है। नोएल टाटा का विवाह भी शापुरजी परिवार की एक बेटी से हुआ है। रतन टाटा ने कभी अपने सौतेले भाई नोएल को संबंधित कंपनियों के प्रबंधन में पूरी तरह से शामिल नहीं होने दिया। इसके बजाय, उन्होंने नोएल को केवल उपभोक्ता वस्तुओं से जुड़ी एक छोटी कंपनी का प्रबंधन सौंपा। बड़े कारोबार वाली टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, टाटा केमिकल्स और यहां तक कि अब एयर इंडिया जैसी कंपनियों को संभालने के लिए जिस अनुभव और प्रशिक्षण की जरूरत होती है, वह नोएल को नहीं मिल पाया। टाटा परिवार के बाकी सदस्य, यानी नोएल टाटा और उनके बच्चे, टाटा समूह की कंपनियों का नियंत्रण फिर से हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि वहाँ पहले से ही पेशेवर प्रबंधक नियुक्त हैं। अंततः, चूँकि परिवार के पास सबसे बड़ी हिस्सेदारी है और उनका प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष नियंत्रण भी है, ऐसे में संभव है कि वे जीत जाएं और पेशेवर प्रबंधकों को बाहर होना पड़े। हालांकि, इस बीच चलने वाले इन विवादों की वजह से कुछ समय के लिए इन बड़ी कंपनियों पर संकट के बादल छा सकते हैं।

बाँग्लादेश के स्पीकर की बयानबाजी से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डालने का आरोप लगाया। उनकी ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं, जब अगस्त 2024 में हसीना के सत्ता से हटने और उनके भारत चले जाने के बाद दोनों देशों के बीच संबंध खराब हो गए हैं।

स्पीकर ने कहा कि अगर हसीना बांग्लादेश लौटती हैं तो उन्हें जेल भेज दिया जाएगा। उन्होंने उनके लौटने की मंशा को समर्थकों का मनोबल बढ़ाने की कोशिश बताया और कहा कि वे कम से कम अगले 10 साल तक बांग्लादेश वापस नहीं आएंगी। पत्रकारों के साथ उनकी बातचीत की खबरों के अनुसार, उन्होंने अवामी लीग को एक आतंकवादी संगठन भी बताया।

ढाका ने शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है। अहमद ने चेतावनी दी कि अगर नई दिल्ली उन्हें बांग्लादेश को सौंपने से इनकार करती है तो उनका देश इंटरनैशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस (आई.सी.जे.) का रुख कर सकता है। हालांकि, उन्होंने इसके पीछे के किसी कानूनी आधार का उल्लेख नहीं किया। आईसीजे देशों के बीच विवादों की सुनवाई करता है और इसका अधिकार क्षेत्र किसी संधि के प्रावधान या संबंधित देशों की सहमति पर निर्भर करता है।

भारत ने कहा है कि प्रत्यर्पण के अनुरोध की जाँच सक्षम अधिकारियों द्वारा, लागू कानूनों और प्रक्रियाओं के तहत, की जा रही है।

कश्मीर के मुद्दे पर अहमद ने पाकिस्तान के रुख का समर्थन करते हुए कहा कि इस विवाद का समाधान संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के तहत होना चाहिए। यह बयान इस मुद्दे पर ढाका की पारंपरिक सावधानी से अलग है। भारत का कहना है कि जम्मू-कश्मीर देश का अभिन्न अंग है और वह इस मामले में किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं करता।

यह दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि अहमद का व्यक्तिगत इतिहास दोनों देशों से जुड़ा हुआ है। बांग्लादेश की आज़ादी की लड़ाई, मुक्ति संग्राम, में शामिल होने से पहले, वे पाकिस्तानी सेना में कैप्टन थे। ऐसे में भारत के हस्तक्षेप को लेकर उनकी टिप्पणी विशेष मायने रखती है।

नई दिल्ली के लिए 1971 से जुड़ी टिप्पणियां, कश्मीर का उल्लेख और हसीना के प्रत्यर्पण को लेकर दी गई चेतावनी, तीन अलग-अलग संवेदनशील मुद्दों से जुड़ी हैं। ये सभी बातें, द्विपक्षीय संबंधों की ऐतिहासिक नींव, लंबे समय से चले आ रहे क्षेत्रीय विवाद और एक अनसुलझे कानूनी मुद्दे से जुड़ी हैं।

अहमद पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। यह बांग्लादेश की संसद के किसी मौजूदा स्पीकर की पाकिस्तान की पहली आधिकारिक यात्रा है। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के स्पीकर सरदार अयाज सादिक के निमंत्रण पर आयोजित इस यात्रा के दौरान प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी मुलाकात करेगा।

अहमद की पृष्ठभूमि इस मामले को एक नया आयाम देती है। उन्होंने पाकिस्तान मिलिट्री अकादमी में प्रशिक्षण लिया था और 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में शामिल होने से पहले पाकिस्तानी सेना में सेवा दी थी। बाद में उन्हें वीरता के लिए ''बीर बिक्रम'' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह यात्रा ढाका और इस्लामाबाद के बीच संसदीय स्तर पर करीबी संसदीय जुड़ाव का संकेत देती है, खासकर ऐसे समय में, जब भारत के साथ बांग्लादेश के संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं। दोनों पड़ोसी देशों की सीमाएं आपस में जुड़ी हुई हैं और उनके बीच व्यापार, संपर्क तथा सुरक्षा से जुड़े व्यापक हित हैं। ढाका के रुख में लगातार सख्ती आने का असर केवल बयानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अहमद के बयान बांग्लादेश की विदेश नीति में किसी बड़े बदलाव का संकेत हैं या फिर ये उनके अपने विचार हैं। प्रतिनिधिमंडल के लौटने के बाद ढाका की प्रतिक्रिया और प्रत्यर्पण के अनुरोध पर भारत का रुख यह तय करने में अहम होगा कि दोनों देशों के संबंध किस दिशा में आगे बढ़ेंगे।

घर के बाहर धूप सेक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कच्ची बस्ती, जवाहर नगर की मौत हुई है। परिजनों ने उन्हें धूप सेकने के लिए घर के बाहर सड़क किनारे कुर्सी पर बैठाया था। इसी दौरान, दोपहर करीब 4:30 बजे शांति पथ की ओर से तेज रफ्तार में आई कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

गंभीर रूप से घायल मोहन लाल को परिजन एसएमएस अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद जवाहर नगर थाना पुलिस ने शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया और पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कर परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली है। फुटेज में कार से बुजुर्ग को टक्कर मारने और ठेले को क्षतिग्रस्त करने की घटना कैद हुई है। पुलिस फुटेज के आधार पर कार और फरार चालक की पहचान कर तलाश में जुटी है।

एसआई पेपर लीक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को परीक्षा से पहले लीक हल प्रश्न-पत्र उपलब्ध कराया था। गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रहे श्रीराम विश्नोई के खिलाफ न्यायालय ने 22 अप्रैल 2025 को स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इसके बाद एसओजी ने उस पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया। एसओजी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं अनुसंधान अधिकारी चिरंजीलाल मीणा ने कार्रवाई करते हुए, आरोपी को को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उसे 30 नवंबर तक पुलिस अभिरक्षा रिमांड पर लिया गया है। एसओजी के अनुसार, इस प्रकरण में अब तक कुल 158 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

अमेरिका में भारी तूफान से नौ लाख घरों में बिजली गुल रही

वाशिंगटन (अमेरिका) 27 नवंबर। संयुक्त राज्य अमेरिका में थैंक्सगिविंग डे के अवसर पर आए भीषण तूफान ने पूर्वी तट और मिडवेस्ट के कई इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। भारी बारिश, तेज हवाओं और बाढ़ के कारण बड़े पैमाने पर बिजली आपूर्ति बाधित हुई। छुट्टियों के दौरान यात्रा करने वाले लोगों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। खराब मौसम के कारण न्यूयॉर्क की मशहूर मेसीज थैंक्सगिविंग डे परेड को भी शनिवार तक के लिए टालना पड़ा।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, बिजली आपूर्ति पर नजर रखने वाली वेबसाइट पावरआउटेज डॉट यूएस के अनुसार, गुरुवार शाम तक अमेरिका के मिडवेस्ट और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में नौ लाख से अधिक बिजली उपभोक्ताओं के घरों की बिजली गुल रही।

- दो हजार से अधिक उड़ानें देर से चलीं व चार सौ उड़ानें रद्द भी हुईं।

उड़ानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के मुताबिक, गुरुवार शाम तक अमेरिका आने-जाने वाली दो हजार से अधिक उड़ानें देरी से चल रही थीं, जबकि 420 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं। न्यू जर्सी की गवर्नर मिकी शेरिल ने बुधवार रात पूरे राज्य में आपातकाल घोषित कर दिया। न्यूयॉर्क के कुछ हिस्सों में भी गवर्नर कैथी होचुल ने आपातकाल लागू किया।

न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोरान ममदानी ने गुरुवार सुबह बताया कि बाढ़ के पानी में फंसी दो कारों से लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना पड़ा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे पानी से भरी सड़कों पर पैदल चलने, साइकिल चलाने या वाहन ले जाने का जोखिम न उठाएं।

शहर की आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, थैंक्सगिविंग के दिन न्यूयॉर्क में करीब डेढ़ से दो इंच बारिश हुई, जबकि कुछ इलाकों में बारिश का आंकड़ा तीन इंच तक पहुंच गया। समुद्र में ज्वार का स्तर बढ़ने से स्टेटन आइलैंड और लॉन्ग आइलैंड समेत शहर के कई तटीय इलाकों में पानी भर गया।

पंजाब में आईएसआई का जासूस गिरफ्तार

बठिंडा, 27 नवंबर। पंजाब पुलिस की खुफिया शाखा और सैन्य खुफिया विभाग ने संयुक्त कार्रवाई में एक युवक को गिरफ्तार किया है। उस पर बठिंडा सैन्य छावनी से जुड़ी संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के गुर्गों के साथ साझा करने का आरोप है। उसका एक संदिग्ध साथी फरार होने में कामयाब रहा, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक फिरोजपुर जिले के गांव जखरावां निवासी 26 वर्षीय सतनाम सिंह उर्फ सत्तू को गिरफ्तार किया गया है। वह पाकिस्तान में बैठे राणा नामक एक खुफिया एजेंट के संपर्क में था और उसके निर्देशों पर सैन्य प्रतिष्ठानों से संबंधित गोपनीय जानकारी साझा कर रहा था।

महादेव सट्टा ऐप में ईडी ने रायपुर, दुर्ग व दिल्ली में छापे मारे

जांच एजेंसी की टीमों ने होटल, व्यापारिक प्रतिष्ठानों व निजी आवासों पर मिले दस्तावेजों की गहन पड़ताल की

रायपुर, 27 नवंबर। महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप से अर्जित अवैध कमाई और मनी लॉन्ड्रिंग के नेटवर्क को खंगालने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार तड़के छत्तीसगढ़ के तीन प्रमुख जिलों, रायपुर, दुर्ग-भिलाई और धमतरी में एक साथ बड़ी छापेमारी की। सुबह करीब 6 बजे केन्द्रीय सुरक्षा बलों के साथ पहुंची ईडी की अलग-अलग टीमों ने सरकारी अधिकारियों, होटल कारोबारियों और निजी प्रतिष्ठानों पर दबिश दी। इस दौरान निवेश, संपत्ति, बैंक खातों और डिजिटल रिकॉर्ड से जुड़े दस्तावेजों की गहन पड़ताल की गई।

- छापे से पहले ईडी ने रायपुर की वीआईपी रोड पर स्थित सात बड़े होटलों व पंडरी के एक क्लब में जांच की। एजेन्सी को जानकारी मिली कि सौरभ चन्द्राकर ने रायपुर के होटल, क्लब व मनोरंजन कारोबार में 200 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

जांच एजेंसी की अलग-अलग टीमों ने होटल, कारोबारी प्रतिष्ठानों और निजी आवासों पर पहुंचकर निवेश, संपत्ति, बैंक खातों और डिजिटल रिकॉर्ड से जुड़े दस्तावेजों की गहन पड़ताल की। धमतरी जिले में महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर के एक रिश्तेदार के घर और उससे जुड़े अन्य ठिकानों पर ईडी की टीम ने जांच-पड़ताल की।

छत्तीसगढ़ के साथ-साथ, ईडी ने दिल्ली में भी समानांतर कार्रवाई की। दिल्ली के लग्जरी कैटरर राहुल मक्कर, रियल एस्टेट कारोबारी शेली ग्रोवर और उनके बेटे माधव ग्रोवर के ठिकानों पर छापे मारे गए।

अखिलेश यादव इतनी जल्दबाजी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कारण 2024 का लोकसभा चुनाव माना जा सकता है। उत्तर प्रदेश में सपा ने 37 सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस को छह सीटें मिली थीं। इस नतीजे ने राज्य में भाजपा को बड़ा झटका दिया था।

इंडिया गठबंधन का चुनाव प्रचार आंशिक रूप से इस मुद्दे पर आधारित था कि ''संविधान खतरे में है।'' इस संदेश का मतदाताओं पर असर पड़ा था। चुनाव परिणामों से सपा की राजनीतिक स्थिति भी मजबूत हुई और अखिलेश यादव का यह विश्वास बढ़ा कि सही सामाजिक गठबंधन और चुनावी रणनीति के साथ सपा भाजपा को प्रभावी चुनौती दे सकती है।

ऐसा लगता है कि यही आत्मविश्वास 2027 के चुनाव की तैयारियों में भी दिखाई दे रहा है।

अखिलेश यादव ने यह भी समझ लिया है कि चुनावी तैयारियां आखिरी समय तक नहीं छोड़ी जा सकतीं।

2022 में सपा प्रमुख ने अक्टूबर महीने में ही चुनाव प्रचार शुरू कर दिया था, जबकि पार्टी ने 13 जनवरी तक अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की थी। उस चुनाव में सपा और कांग्रेस ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था। दोनों के अपने अलग उम्मीदवार, चुनाव प्रचार और रणनीति थी।

लेकिन इस बार सपा कांग्रेस के साथ संभावित गठबंधन की तैयारी कर रही है। सीटों के बंटवारे को लेकर अनिश्चितता के कारण, जल्दी ही योजना बनाना और भी जरूरी हो गया है।

सूत्रों का कहना है कि अखिलेश आखिरी समय में उम्मीदवारों के चयन और गठबंधन की बातचीत के कारण पैदा होने वाली उलझन और देरी को दोहराना नहीं चाहते।

इंडिया गठबंधन के बिहार के अनुभव को भी एक महत्वपूर्ण कारण माना जा रहा है।

बिहार में आरजेडी और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत में हुई देरी और उसके बाद गठबंधन के चुनावी प्रदर्शन ने कथित तौर पर अखिलेश के इस विश्वास को और मजबूत किया है कि लंबी खिंचने वाली बातचीत से गठबंधन की संभावनाओं को नुकसान पहुंच सकता है।

सपा ने कांग्रेस के लिए 26 सीटों का प्रस्ताव बार-बार सामने रखा है। इसे अपने सहयोगी दल पर दबाव बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, तकि समय रहते कोई समझौता हो सके।

सूत्रों का कहना है कि अखिलेश यादव चुनाव की तैयारियों के दौरान तेजी बनाए रखना चाहते है। वे नहीं चाहते कि कांग्रेस के फैसले लेने की धीमी प्रक्रिया के कारण सपा की तैयारियाँ प्रभावित हों।

इसके पीछे एक बड़ी राजनीतिक रणनीति भी है। अखिलेश को उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के प्रमुख चेहरे के रूप में देखा जाता है। वे जानते हैं कि गठबंधन के किसी सहयोगी दल की देरी या गलत फैसले का असर अंततः सत्ता में उनकी वापसी की संभावनाओं पर भी पड़ सकता है।

कांग्रेस के साथ सीटों के बंटवारे पर बातचीत अभी अधूरी है, फिर भी सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पांच सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। यह फैसला विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस कदम के जरिए दो संदेश देने की कोशिश दिखाई देती है।

पहला संदेश अपनी ही पार्टी के लिए है। उम्मीदवारों की पहले घोषणा करके अखिलेश पार्टी संगठन को सक्रिय करना चाहते हैं, संभावित उम्मीदवारों को पहले से तैयारी का मौका देना चाहते हैं और सुनिश्चित करना चाहते हैं कि पार्टी कार्यकर्ता चुनावी जंग की तैयारी में जुट जाएं।

दूसरा संदेश कांग्रेस के लिए है। एकतरफा उम्मीदवारों की घोषणा करके सपा ने संकेत दिया है कि वह बातचीत जारी रहने के नाम पर अपनी चुनावी तैयारियों को अनिश्चितकाल तक रोककर रखने के लिए तैयार नहीं है।

इससे सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत में अखिलेश की स्थिति भी मजबूत हो सकती है। खासकर उनका जोर यह है कि कांग्रेस को उन्हीं सीटों पर दावा करना चाहिए, जहां उसके जीतने की वास्तविक संभावना है।

सूत्रों का यह भी कहना है कि अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता इमरान मसूद के बीच तनाव भी मौजूदा असहजता का एक कारण है।

महिला आईएएस को अश्लील संदेश भेजने वाला विधायक गिरफ्तार

चेन्नई, 27 नवंबर। महिला आईएएस अधिकारी के उत्पीड़न से जुड़े मामले में शुक्रवार को कल्लाकुरिची विधानसभा क्षेत्र के तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) विधायक अरुल विग्नेश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन पर जिले की महिला कलेक्टर को अश्लील संदेश भेजने का आरोप है।

बडोदरा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गुजरात एटीएस के डीवाईएसपी हर्ष उपाध्याय को मिली सूचना के आधार पर विभिन्न टीमें सक्रिय की गईं। आरोपी के सयाजीगंज रेलवे स्टेशन के पास स्थित होटल मिलन में ठहरे होने की जानकारी मिलने पर टीम वहां पहुंची, लेकिन वह बिना चेक-आउट किए फरार हो चुका था। इसके बाद दाहोद से वडोदरा लौटते समय हालोल-वडोदरा रोड पर नाकाबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

भाजपा ने बड़ी होशियारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस अध्यक्ष ने आम सहमति बनाने के लिए शनिवार को इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाई है, लेकिन विभिन्न दलों के रुख अभी स्पष्ट नहीं हैं। डीएमके नेता एम.के. स्टालिन ने फिर दोहराया है कि लोकसभा की कुल सीटों में तमिलनाडु की मौजूदा हिस्सेदारी, जो लगभग 7.18 प्रतिशत है, कम नहीं होनी चाहिए। सूत्रों के अनुसार, यदि इस आश्वासन को पक्का कर दिया जाता है तो उनकी पार्टी संशोधित प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए तैयार है।

शरद पवार की एनसीपी के नेताओं, जिनमें सुप्रिया सुले भी शामिल हैं, ने कहा है कि वे कोई फैसला लेने से पहले विधेयक के मसौदे की जांच करेंगे। हालांकि, ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि पार्टी इसका समर्थन कर सकती है। आम आदमी पार्टी के नेता अमन अरोड़ा ने कहा है कि पार्टी का समर्थन इस बात पर निर्भर करेगा कि विधेयक सभी राज्यों के लिये समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करता है या नहीं। बीजेडी ने जोर देकर कहा है कि ओडिशा के आनुपातिक प्रतिनिधित्व की सुरक्षा होनी चाहिए। पार्टी प्रस्तावित विधेयक का पूरा ब्योरा देखने के बाद ही अंतिम फैसला करेगी।

विपक्ष सैद्धांतिक रूप से महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का समर्थन करता है, लेकिन उसका जोर है कि यह आरक्षण लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों पर भी लागू होना चाहिए। इसे लोकसभा की सीटें बढ़ाने या नए परिसीमन से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

इससे पहले अप्रैल 2026 में सरकार द्वारा लाया गया संविधान (131वां संशोधन) विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो पाया था। इस विधेयक का उद्देश्य लोकसभा की अधिकतम सीटों की संख्या बढ़ाकर करीब 850 करना और 2011 की जनगणना के आधार पर, परिसीमन के जरिए महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना था।

इस बार सरकार को अधिक भरोसा है। इसका कारण एक संशोधित फॉर्मूला है, जो आनुपातिक बढ़ोतरी और सीटों के अनुपात को लंबे समय तक यथावत् रखकर दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर करता है। इसके अलावा, सरकार ने गैर एन.डी.ए. दलों से संपर्क साधा है। साथ ही दलबदल, (जिसमें टीएमसी से अलग हुए सांसद भी शामिल हैं) और राजनीतिक गठबंधनों में बदलाव, जैसे शिरोमणि अकालीदल का भाजपा के साथ फिर से जुड़ना, ने संसद में संख्या- गणित को बदल दिया है।

दक्षिण भारत के राज्यों की मुख्य चिंता यह है कि केवल जनसंख्या के आधार पर परिसीमन करने से उन्हें नुकसान होगा, क्योंकि परिवार नियोजन के सफल क्रियान्वयन के कारण उनकी जनसंख्या कम हुई है, जबकि उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में जनसंख्या में उतनी कमी नहीं आई है। इससे संसद में उनकी हिस्सेदारी (सीटें) घट सकती है और संघीय व्यवस्था में राज्यों के बीच संतुलन उत्तर भारत की ओर झुक सकता है। दक्षिण भारत के नेता लंबे समय से यह तर्क देते रहे हैं कि इस तरह की व्यवस्था प्रगतिशील राज्यों को ''दूसरे दर्जे'' का मानती है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908